

filled on the basis of selection from applications in response to advertisements in newspapers having wide circulation in Andhra Pradesh and the contiguous States Unskilled labour and other Class IV Staff are recruited through Employment Exchanges in Andhra Pradesh For all other categories, recruitment is made on All-India basis on merit

Export of Tea

4219. Shri S. S. Kothari: Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether it is a fact that tea exports are the only export where drawback of the excise duty on export is not allowed;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) whether Government propose to allow such drawback in order to encourage the export of tea?

The Minister of Commerce (Shri Dinesh Singh): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) At the point of export, the excise duty merges with the export duty, the level of which is fixed taking into account any non-refundable excise duty leviable on tea So long as there is an export duty on tea, it is administratively convenient to fix the level of duty taking into account the excise duty rather than grant draw back of the excise duty as such It is because of this that when excise duties on tea were recently increased as a part of the Budget proposals, the export duty has been suitably reduced.

Lady Passenger Guide at Khurda Road Junction

4220. Shri Chintamani Panigrahi: Will the Minister of Railways be pleased to state:

(a) whether Government are aware that there is no lady passenger guide at Khurda Road Junction to guide the female passengers; and

(b) if so, the steps taken in the matter?

The Minister of Railways (Shri C. M. Poonacha): (a) Yes.

(b) The matter is under examination.

**मोटर कारों के साथ दिये जाने वाले
श्रीजारों का मूल्य**

4221. श्री मृत्युञ्जय प्रसाद :

श्री हरिकुल्ल :

श्री दि० ना० सिंह :

श्री प्रेमचन्द वर्मा :

क्या औद्योगिक विकास तथा सज्जाय-कार्य मंत्री 2 जून, 1967 के अताराकित प्रश्न संख्या 1399 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या एम्बेसेडर, फिएट और स्टैम्बर्ड कारों के निर्माताओं द्वारा श्रीजारों का मूल्य अपने खातों में पृथक से दिखाया जाता है;

(ख) यदि हा, तो सरकार उनकी किस्म, उपयोगिता और टिकाऊपन की जांच क्यों नहीं करती है ; और

(ग) क्या सरकार का विचार उक्त श्रीजारों की संख्या, किस्म और मूल्य निर्धारित करने का है ताकि यदि ग्राहक इन श्रीजारों को बाजार में उपलब्ध श्रीजारों की तुलना में अनुपयोगी, महंगे और बटिया पाये तो वे इन्हें अस्वीकार कर दें और बदले में उनका मूल्य वापस ले सकें ?

औद्योगिक विकास तथा सज्जाय-कार्य मंत्री (श्री कज्जहीन झली महलब) :
(क) सरकार को यह ज्ञात नहीं है कि ग्राहकों को दिये जाने वाले श्रीजारों की कीमत कार निर्माताओं द्वारा अपनी लेखा-पुस्तकों में धूमन से दिखाई जाती है वा नहीं ।

(ख) और (ग). देश में बनने वाली कारों की किस्म की जांच करने के लिये श्रीमत्र ही एक समिति स्थापित करने का विचार